अप्रैल 2019

सामान्य ज्ञान दर्पण

वर्ष 32 नवम् अंक

इस अंक में...

7 आप स्वयं के सहयोगी बनें

विशेष स्तम्भ

9 समसामयिक सामान्य ज्ञान

18 प्रणब मुखर्जी, नानाजी देशमुख व भूपेन हजारिका को भारतरत्न

20 आर्थिक परिदृश्य

25 अंतरिम बजट : (2019-20)

28 राष्ट्रीय परिदृश्य

31 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य

34 क्रीड़ा जगत्

37 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य

38 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

40 विज्ञान समाचार

42 सारभूत तत्व कोष

लेख

45 सामाजिक लेख—वर्तमान संदर्भ में गांधी दर्शन

46 जलवायु लेख—पोलैण्ड में सम्पन्न हुआ ग्लोबल वार्मिंग सम्मेलन जलवायु परिवर्तन : वैश्विक तापमान पर लगेगा अंकुश

47 चिकित्सा लेख— दो टूक : 'दो बूँद' अपंगता की! लकवाग्रस्त होता पोलियो टीकाकरण अभियान

हल प्रश्न-पत्र

49 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2018 [द्वितीय प्रश्न-पत्र (कक्षा VI से VIII के लिए)]

59 बिहार आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मण्डल संयोजक भर्ती परीक्षा, 2018

68 उत्तराखण्ड डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, 2017

84 राजस्थान लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा, 2018

93 हरियाणा एस.एस.सी. ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2018 (द्वितीय पाली)

98 आगामी झारखण्ड विशेष शाखा आरक्षी (क्लोज कैडर) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

107 आगामी उत्तराखण्ड समूह 'ग' भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

112 उत्तराखण्ड सामान्य ज्ञान

विविध/सामान्य

114 वार्षिक रिपोर्ट 2017-18—उर्वरक, रसायन एवं पेट्रोरसायन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में

116 समसामयिक घटनाएं—महत्वपूर्ण लघु टिप्पणियाँ

119 ज्ञान वृद्धि कीजिए

121 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **-सम्पादक**

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

आप स्वयं के सहयोगी बनें....

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

"खुदी को कर बुलन्द इतना
कि हर तकदीर से पहले
खुदा बन्दे से खुद पूछे
बता तेरी रज़ा क्या है."

"God help those who help themselves." भगवान भी उनको सहयोग करते हैं, जो स्वयं को सहयोग करते हैं, यह बात हम बचपन से सुनते आए हैं फिर भी सम्भवतः हम सभी अपनी मदद करना अभी तक नहीं सीख पाए हैं. जो अन्यान्य लोगों से मदद की उम्मीद लिए फिर रहा है, किन्तु खुद को खुद ही सहयोग नहीं दे रहा है, परमात्मा भी उसको सहयोग नहीं दे पाता है. आप सोच रहे होंगे कि ऐसा क्यों ? क्या परमात्मा भी इस दशा (Condition) पर सहयोग देता है कि तुम किसी अन्य से सहयोग की उम्मीद नहीं रखोगे तब मैं सहयोग दूँगा. अथवा तुम पूरे बेसहारा हो जाओगे, तब मैं तुम्हारा सहारा बनूँगा. परमात्मा यह नहीं कहता कि तुम अन्यों के सहारे मत रहो. परमात्मा कहता है कि तुम अपना सहारा खुद बनो. खुद को ऊँचा उठाओ. खुद के मित्र बनो. खुद से नाराज़ मत बनो. तुम जब खुद पर विश्वास करते हो, तो ईश्वर पर विश्वास करते हो. तुम जब खुद से नाराज़ होते हो, तो ईश्वर से ही नाराज़ होते हो. क्योंकि वह तुम ही हो, तुम ही वह हो. सोऽहं. समण ऋषि-मुनियों ने बार-बार कहा है कि—सोऽहं. मैं वही हूँ. 'अहं ब्रह्मास्मि' मैं ही ब्रह्म हूँ.

अतः तुम अपनी सहायता स्वयं करो, तो वह तुम्हारी सहायता करता है. वह अनंत शक्ति है और तुम अभी स्वयं को सीमित शक्ति वाला मानते हो. तुम खुद को जानो, तो खुदा हो जाओ. तुम खुद की सहायता करो, खुद को सक्षम बनाओ. यही जग पर तुम्हारी ओर से किया गया परम उपकार होगा. जब तक तुम स्वयं पर विश्वास नहीं करते, स्वयं को सबल नहीं बनाते, स्वयं को योग्य नहीं बनाते, स्वयं से जुड़कर नहीं जीते, तब तक ही सारी परेशानियाँ हैं. एक बार तुमने अपना साथ दे दिया, तो फिर कोई समस्या रहेगी ही नहीं. कोई तुम्हें परास्त न ही कर पाएगा.

तब-तब तुम स्वयं के साथी नहीं होते हो, जब-जब यह कहते हो कि—

1. मैं बहुत कमजोर हूँ.
2. मैं यह नहीं कर सकता.
3. मेरा भाग्य अच्छा नहीं है.
4. मुझे कोई पसन्द नहीं करता. प्यार नहीं करता.
5. हर किसी को मुझमें ही कमी दिखलाई पड़ती है.
6. सब कोई मुझे ही ताना देते हैं.
7. मेरा यहाँ कोई नहीं है.
8. ईश्वर भी अमीरों व शक्तिशालियों को ही मदद करता है.
9. क्या कोई मुझे सुनेगा. मेरी मदद करेगा.
10. यहाँ सब कोई स्वार्थी है, धोखेबाज है.
11. मैं किसी पर भरोसा नहीं कर सकता. इत्यादि.

ऐसे वाक्यों को सोचते व बोलते समय तुम स्वयं के मित्र नहीं रहते. खुद पर शंका करते हो. समण भगवान महावीर ने एक बार कहा कि—

●●●